दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार, 27 जून 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 269

महत्वपूर्ण एवं खास

भारत में कोरोना संक्रमण के 11,739 नए मामले आए, 25 मरीजों की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में रविवार को सामने आए। पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड-19 के 11,739 नए मामले दर्ज किए गए। बीते 24 घंटे में यह शनिवार को सामने आए कोरोना वायरस के 15,940 मामलों की तुलना में काफी कम है। इसी अवधि में, देश में महामारी से 25 मरीजों की मौत हुई, जिससे देशभर में मरने वालों की संख्या 5,24,999 हो गई। वहीं 10,917 मरीज ठीक भी हुए। इस संख्या से कोरोना को मात देने वालों का आंकड़ा बढ़कर 4,27,72,498 हो गया। भारत में रिकवरी रेट 98.58 प्रतिशत है। जहां डेली पॉजिटिविटी रेट भी घटकर 2.59 प्रतिशत रह गई, वहीं वीकली पॉजिटिविटी रेट 3.25 प्रतिशत रही। साथ ही इसी अवधि में, देशभर में कुल 4,53,940 कोरोना टेस्ट किए गए। अब तक 86.07 करोड़ से अधिक टेस्ट किए गए हैं।

वाराणसी में सीएम योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर पक्षी से टकराया, इमरजेंसी लैंडिंग

वाराणसी (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हेलीकॉप्टर की रविवार को वाराणसी के पुलिस लाइन में इमरजेंसी लैंडिंग की गई। सूत्रों ने कहा कि पक्षी से हेलीकॉप्टर के टकराने के बाद इमरजेंसी लैंडिंग की गई है। फिलहाल, मुख्यमंत्री वाराणसी में हैं। वह सडक़ मार्ग से एयरपोर्ट जाएंगे और स्टेट प्लेन से लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

पाकिस्तान की जेल में मारे गए सरबजीत सिंह की बहन दलबीर कौर का निधन

अमृतसर (आरएनएस)। वर्ष 2013 में पाकिस्तान की जेल में साथी कैदियों द्वारा बेरहमी से पीटे जाने के बाद मारे गये सरबजीत सिंह की बहन दलबीर कौर का रविवार को यहां निधन हो गया। वह 67 वर्ष की थीं। दलबीर कौर उस समय सुर्खियों में थीं, जब उन्होंने पाकिस्तान की जेल से अपने भाई की रिहाई के लिए एक अभियान चलाया था। सरबजीत 1991 से पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बम विस्फोटों में शामिल होने के आरोप में जेल में बंद थे। परिजनों के अनुसार कौर ने शनिवार रात सीने में तेज दर्द की शिकायत की थी और उन्हें यहां एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। सरबजीत सिंह की बेटी पूनम ने बताया कि दलबीर पिछले एक साल से फेफड़ों की बीमारी से जूझ रही थीं। उन्होंने बताया कि जब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था तो चिकित्सकों का कहना था कि उनकी हालत गंभीर है। उन्हें आईसीयू में रखा गया और कुछ देर बाद जीवन रक्षक प्रणाली (वेंटिलेटर) पर रखा गया। पूनम ने बताया कि दलबीर कौर को अस्पताल ने कुछ घंटों के बाद मृत घोषित कर दिया। पूनम ने कहा कि दलबीर का अंतिम संस्कार आज दोपहर में तरण तारण जिले में उनके पैतृक शहर भीखीविंड में किया जाएगा।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह की लंदन में सर्जरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह को फोन कर उनकी सेहत के बारे में जानकारी ली। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। कैप्टन अमरेंद्र सिंह की शनिवार को लंदन के एक अस्पताल में रीढ़ की हड्डी की सफल सर्जरी हुई थी। वह सर्जरी के लिए हाल में लंदन पहुंचे थे।

यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों व परिजनों ने अनशन शुरू किया, आत्मदाह की चेतावनी दी

नई दिल्ली (आरएनएस)। यूक्रेन से करीब 3 महीने पहले लौटे भारतीय छात्र अपनी आगे कि पढ़ाई को लेकर काफी चिंतित हैं, उनके साथ उनके माता-पिता भी बच्चों के भविष्य को लेकर परेशान हैं। स्वदेश लौटे भारतीय छात्र रविवार को अपनी मांगों और परेशानियों पर प्रधानमंत्री की नजर पड़े, इस मकसद से अनशन शुरू किया है।

दिल्ली के जंतर मंतर पर यह छात्र अपने परिजनों के साथ अनशन पर बैठे। हालांकि पुलिस की तरफ से इजाजत न मिलने के कारण यह प्रदर्शन एक दिन का होगा और पुलिस की तरफ से 300 लोगों की इजाजत दी गई है।

पेरेंट्स एसोसिएशन ऑफ यूक्रेन एमबीबीएस स्टूडेंट्स की ओर से कहा गया है कि रविवार को छात्र और परिजन अनशन पर रहेंगे। संगठन ने कहा, सरकार अब हमें आंदोलन करने पर मजबूर कर रही है। हम शांतिपूर्ण तरह से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते आए हैं, लेकिन सरकार अगर हमारी तरफ गौर नहीं करती है तो पेरेंट्स को आत्महत्या करने को मजबूर होना पड़ेगा।

यूक्रेन के वेनिसिया से स्वदेश लौटीं तृषा सागर दूसरे वर्ष की पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने कहा, ऑपरेशन गंगा के तहत हमें स्वदेश लाया गया, हम प्रधानमंत्री का शुक्रिया अदा करते हैं। लेकिन हम वापस आने के बाद ऐसी ही हमें छोड़ दिया है तो हमें वापस बुलाना ही नहीं चाहिए था। यदि हम अपनी मांगो को लेकर नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के वरिष्ठ लोगों के पास जाते हैं तो वे लोग बदतमीजी से बात करते हैं, हमें नीचा दिखाया जाता है।

उन्होंने कहा, हमें यह कहकर शर्मिंदा किया जाता है कि आप यहां पढऩे लायक नहीं हो, आप यहां डॉक्टर नहीं बन सकते। आप हमसे पूछकर यूक्रेन नहीं गए थे। हम उनसे यह पूछना चाहेंगे कि क्या विदेश जाने के दौरान इनकी इजाजत नहीं चाहिए होती है? क्या इन्हें पता नहीं होता कि हम उधर पढ़ाई के लिए जा रहे हैं? तब ये हमसे क्यों बदतमीजी करते हैं?

यूक्रेन में छह सालों में मेडिकल की पढ़ाई पूरी होती है। इसके बाद छात्रों को एक साल के लिए अनिवार्य इंटर्नशिप करनी पड़ती है। फिर भारत में प्रैक्टिस करने और लाइसेंस प्राप्त करने के लिए एफएमजीई यानी फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जाम की पात्रता के लिए एक साल की सुपरवाइज्ड इंटर्नशिप भी करनी पड़ती है। इनके बाद एफएमजी एग्जाम क्वालीफाई करना पड़ता है।

यूक्रेन के खार्किव में चौथे वर्ष की मेडिकल पढ़ाई कर रहे ऋत्विक वाष्णेय ने को बताया, अनशन पर बैठने को हमें अब मजबूर होना पड़ रहा है पिछले 3 महीने से हम भारत लौटे हुए हैं, लेकिन सरकार की तरफ से अब तक कोई भी फैसला हमारी पढ़ाई को लेकर नहीं हुआ है। सरकार के जो मंत्री हमें लेने पहुंचे थे, उन्होंने हमसे वहां वादा किया था कि हम आपका भविष्य भी देखेंगे।

अभी तक हमारे पास किसी तरह की हमारे भविष्य को लेकर खबर नहीं आई है। सरकार यदि हमें एक निर्धारित समय दे दे तो हम थोड़ा संतुष्ट महसूस करें। लेकिन ऐसा सरकार की तरफ से नहीं हुआ है। हमारा एक डेलिगेशन एनएमसी भी गया, वहाँ भी संतुष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने आगे कहा, जिन छात्रों का आखिरी कुछ महीनों की पढ़ाई बची हो और अचानक उन्हें स्वदेश लौटना पड़े तो वे छात्र डिप्रेशन में चले जाते हैं। हमने अपनी मांगों को विधायकों सांसदों व अन्य अधिकारियों को पहले ही सौंप चुके हैं, वहीं हम धरना भी दे चुके हैं, लेकिन मजबूरन अब हमें अनशन पर बैठना पड़ रहा है। इससे पहले छात्रों और परिजनों ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय के गेट के बाहर शुक्रवार को प्रदर्शन किया था। पीएयूएमएस के राष्ट्रीय महासचिव पंकज धीरज ने बताया, हम सब शांतिपूर्वक ढंग से देश के मेडिकल सेवा भविष्य को स्वदेश में ही अगली शिक्षा दिलवाने के लिए विगत ढाई माह से पीएम से मांग करते आ रहे हैं, अब सरकार को हमारी शांतिपूर्ण प्रक्रिया को गंभीरता से लेना चाहिए।

रविवार को देशभर के मेडिकल विद्यार्थी, दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर अनशन शुरू करने जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी उस संबंधित पीआईएल में केंद्र सरकार को सकारात्मक व मानवीय दृष्टिकोण वाला जबाव भी 29 जून को दाखिल करना है।

त्रिपुरा : उपचुनाव के नतीजों के बीच आपस में भीड़े बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ता, जमकर चले लाठी-डंडे

नई दिल्ली (आरएनएस)। त्रिपुरा में विधानसभा उपचुनाव नतीजें के बीचे अगरतला में रविवार को बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प देखने को मिली है। भारी संख्या में बीजेपी और कांग्रेस के कार्यकर्ता सडक़ पर लाठी डंडों के साथ नजर आए। झड़प को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है। बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव भट्टाचार्जी ने कहा कि अचानक कांग्रेस के गुंडों ने बीजेपी कार्यकर्ताओं पर पथराव कर दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने बीजेपी कार्यकर्ताओं पर ईंटें फेंकी, जिसका भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जवाब दिया। भट्टाचार्जी ने कहा कि हम कायर नहीं है और इस तरह की क्रूरताओं का सामना करना जानते हैं। त्रिपुरा में आज विधानसभा उपचुनाव के नतीजे भी सामने आ गए हैं। नतीजों में बीजेपी ने दो और कांग्रेस ने एक सीट पर जीत हासिल की है।

वहीं एक अन्य सीट पर भाजपा उम्मीदवार पांच हजार से ज्यादा वोटों से आगे चल रहा है। भाजपा के लिए मुख्यमंत्री माणिक साहा भी जीत हासिल करने में कामयाब रहे हैं। इसके साथ ही उनकी मुख्यमंत्री की कुर्सी सुरक्षित हो गई है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री और भाजपा उम्मीदवार माणिक साहा ने टाउन बारदोली विधानसभा सीट पर 6104 वोटों से जीत हासिल की है। यहां पर उनके करीबी उम्मीदवार कांग्रेस के आशीष कुमार साहा थे।

महाराष्ट्र संकट : उद्धव ठाकरे को फिर बड़ा झटका, मंत्री उदय सामंत भी हुए बागी

नई दिल्ली (आरएनएस)। महाराष्ट्र की सत्ताधारी पार्टी में से एक शिवसेना को रविवार को एक और तगड़ा झटका लगा है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री उदय सामंत गुवाहाटी में एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं। वह शिंदे के नेतृत्व वाले बागी ग्रुप में शामिल होने वाले उद्धव ठाकरे मंत्रिमंडल से आठवें मंत्री हैं। सात मंत्री इससे पहले ही शिंदे गुट को ज्वाइन कर चुके हैं।

उदय सामंत को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे का काफी करीबी माना जाता रहा है। आदित्य ठाकरे हुंकार भर रहे थे कि बागियों को पार्टी में वापस नहीं लिया जाएगा, तब तक एक और मंत्री ने तगड़ा झटका दे दे दिया है। उदय सामंत चार्टेड प्लेन से सूरत से गुवाहाटी के लिए रवाना हो गए हैं। प्लेन में बैठते वक्त की उनकी तस्वीर भी सामने आई है।

आदित्य ठाकरे की बागियों को चेतावनी- आदित्य ठाकरे ने गुवाहाटी में मौजूद पार्टी के बागी विधायकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि मुंबई हवाईअड्डे से विधान भवन तक जाने वाली सडक़ वर्ली से होकर गुजरती है। मुंबई का वर्ली इलाका पारंपरिक रूप से शिवसेना का गढ़ रहा है, जहां से आदित्य ठाकरे विधायक हैं। शिवसेना अध्यक्ष और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य (30) ने शनिवार शाम पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी में बागियों के लिए कोई जगह नहीं है।

फिलहाल गुवाहाटी में डेरा डाले हुए शिंदे गुट के विधायक- उन्होंने महाराष्ट्र में चल रहे राजनीतिक संकट के बीच यह बयान दिया, जो वरिष्ठ मंत्री एकनाथ शिंदे के विद्रोह से उत्पन्न हुआ है। शिवसेना के अधिकांश विधायकों ने शिंदे का समर्थन किया है और वे फिलहाल भाजपा शासित राज्य असम के गुवाहाटी में डेरा डाले हुए हैं। शिंदे और उनके समूह ने दावा किया है कि वे असली शिवसेना का प्रतिनिधित्व करते हैं।

केंद्र सरकार ने शिवसेना के 15 बागी विधायकों को दिया सीआरपीएफ की वाई+ श्रेणी की सुरक्षा- केंद्र सरकार ने शिवसेना के 15 बागी विधायकों को सीआरपीएफ कवर के साथ वाई+ श्रेणी की सुरक्षा दे दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि शिंदे गुट के विधायकों ने कहा था कि उद्धव ठाकरे सरकार ने उनकी सुरक्षा वापस ले ली है। हालांकि ठाकरे सरकार ने इन आरोपों का खंडन किया था।

अस्पताल की सातवीं मंजिल से गिरकर मरीज की मौत

कोलकाता (आरएनएस)। कोलकाता के मलिकबाज़ार में स्थित एक निजी अस्पताल में सातवीं मंजिल से गिरकर एक मरीज की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि 33 वर्षीय मरीज 25 जून को अपने कमरे से बाहर निकला था और दो घंटे तक इमारत की सातवीं मंजिल पर दीवार के एक किनारे बैठा रहा।

सुजीत अधिकारी नामक मरीज़ का इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंस में इलाज चल रहा था। वह अपने वार्ड से निकलकर सातवीं मंजिल पर दीवार के एक किनारे दो घंटे से अधिक समय तक बैठा रहा। दमकलकर्मियों, पुलिस और अस्पताल के अधिकारियों ने उसे नीचे उतारने की कोशिश की।

पुलिस के अधिकारी ने बताया कि वह अपराह्न करीब एक बजकर 10 मिनट पर इमारत की सातवीं मंजिल से नीचे गिर गया।

राज्य सरकार ने इस संबंध में अस्पताल

प्राधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है।

अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि मरीज़ 'बहुत गंभीर रूप से घायल' हो गया और उसकी खोपड़ी, पसली और बायां हाथ में गंभीर चोट आई थी।

पुलिस अधिकारी ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि आपदा प्रबंधन कर्मियों को ज़मीन पर जाल बिछाते देख मरीज़ दीवार पर खड़ा हो गया था और वहां से नीचे उतरने की कोशिश कर रहा था, लेकिन फिसलकर नीचे गिर गया। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि अधिकारी को अस्पताल के आईटीयू में भर्ती कराया गया , जहां शाम करीब छह बजकर 25 मिनट पर उसकी मौत हो गयी।

अस्पताल प्राधिकारियों के अनुसार, मरीज पूरी तरह ठीक था और अस्पताल कर्मियों से बात कर रहा था तथा उसने तनाव में होने का कोई संकेत नहीं दिया था। इससे पहले, मरीज़ ने अस्पताल के कर्मचारियों और दमकल कर्मियों की वार्ड में लौटने की गुजारिश को नजरअंदाज कर दिया था।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि उस व्यक्ति को देखने के लिए अस्पताल के सामने भीड़ जमा हो गई थी। नीचे खड़े लोगों ने उससे वहां से पीछे हटने का आग्रह किया। भीड़ के कारण व्यस्त ए जे सी बोस मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ।

अधिकारी के कहा कि परिजनों ने भी उसे समझाने की कोशिश की थी।

अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया, मरीज का बीमा हो रखा था और उसका ज्यादा बिल नहीं बनाया गया था जैसा कि कुछ लोगों ने आरोप लगाया है।

दमकल सेवा मंत्री सुजित बोस ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इस व्यक्ति ने 22 दिन पहले अपनी पत्नी को खोया था और शायद इसी की वजह से वह तनाव में था।

नियंत्रण खोने के बाद नाले में जा गिरा मजदूरों से भरा वाहन: 7 की मौत, 3 गंभीर

बेंगलुरू (आरएनएस)। कर्नाटक के बेलगावी जिले में रविवार को मालवाहक वाहन नाले में गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सभी मृतक मजदूर थे, जो काम के लिए बेलगावी जा रहे थे। वे बेलगाम जिले के अक्कटंगियारा हल्ला गांव के रहने वाले थे।

पुलिस के अनुसार, ये मजदूर गोकक तालुक के अक्कतंगियारा हाला गांव के रहने वाले थे और कंस्ट्रक्शन का काम करते थे। रविवार की सुबह ये सभी मजदूर बेलगावी की ओर जा रहे थे। रास्ते में इनकी गाड़ी कानाबारगी गांव में 'बल्लारी नाला' में गिर गई। पुलिस ने बताया कि चालक के वाहन पर से नियंत्रण खोने के बाद वह नाले में जाकर गिर गया था। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस दल पहुंच गया। स्थानीय लोगों की मदद से बचाव कार्य शुरु किया गया। काफी मशक्कत के बाद मजदूरों को वाहन के नीचे से निकाला गया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बेलगावी के पुलिस आयुक्त एमबी बोरलिंगैया बचाव कार्यों की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे और उन्होंने शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना भी दी। पुलिस के मुताबिक, वाहन में कुल 18 मजदूर सवार थे। हादसे में 8 लोगों की जान बाल-बाल बची, जबकि 3 अन्य घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

तीस्ता सीतलवाड़ को गुजरात एटीएस ने किया गिरफ्तार

मुंबई (आरएनएस)। गुजरात पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ को साल 2002 में गुजरात में हुए दंगे के मामले में कथित रूप से गलत जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार किया।

सुश्री सीतलवाड़ को मुंबई के जुहू इलाके में स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया गया और सांताक्रूज पुलिस स्टेशन ले जाया गया। वहां से उन्हें अहमदाबाद ले जाया गया। उनके पति जावेद आनंद ने यूनीवार्ता संग इसकी पुष्टि की।

उन्होंने यह भी कहा कि एटीएस ने अधिकारियों ने सीतलवाड़ को क्यों गिरफ्तार किया है यह अभी भी स्पष्ट नहीं है। यद्यपि उनके खिलाफ मामला अहमदाबाद पुलिस की अपराध शाखा द्वारा दर्ज किया गया था।

तीस्ता सीतलवाड़ सिटीजन फॉर जस्टिस एंड पीस (सीजेपी) नामक एनजीओ की सचिव हैं, जो 2002 के गुजरात दंगों के पीड़ितों की वकालत करने के लिए बनाई गई एक संस्था है। इसके अलावा, वह सबरंग ट्रस्ट नाम एक एनजीओ भी चलाती हैं।

तीस्ता सीतलवाड़, जाकिया जाफरी के साथ उस

केस की सह याचिकाकर्ता हैं, जिसमें 2002 के गुजरात दंगों में कथित संलिप्तता के लिए नरेंद्र मोदी सहित कई अन्य राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाए जाने की मांग की गई थी और तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को क्लीन चिट देने वाली एसआईटी की रिपोर्ट के खिलाफ आवाज उठाई गई थी। जाकिया जाफरी कांग्रेस के पूर्व सांसद एहसान जाफरी की पत्नी हैं, जिनकी दंगे के दौरान ट्रेन के एक डिब्बे में लगी आग की चपेट में आने से मौत हो गई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ये याचिका खारिज कर दी।

नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान चलाया गया

नई दिल्ली (आरएनएस)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा आज नई दिल्ली के प्रगति विहार में भीष्म पितामह मार्ग स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में नशा मुक्त भारत अभियान दौड़ -नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध 19वीं दौड़ - का आयोजन किया गया। इस दौड़ का आयोजन नई दिल्ली के हेल्थ फिटनेस ट्रस्ट के सहयोग से किया जा रहा है। युवाओं और अन्य लोगों को नशे से दूर करने और देश को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिभागियों को संकल्प भी दिलाया जाएगा। नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जन

जागरूकता फैलाने के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार द्वारा दौड़ को झंडी दिखाने के बाद शपथ दिलाई जाएगी।

नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त दुनिया का निर्माण करने के लिए उठाए गए कदमों और सहयोग को सुदृढ़ बनाने के लिए मनाया जाता है। इस दौड़ का आयोजन इसके लिए जागरूकता पैदा करने और नशीली पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध एक संयुक्त मोर्चा प्रस्तुत करने के लिए किया जाता है।

देश के 272 चिन्हित जिलों में नशा मुक्त भारत अभियान नाम से एक राष्ट्रव्यापी नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इन 272 जिलों में अभियान गतिविधियों के लिए 8000 से अधिक मास्टर स्वयंसेवक हैं, जो वास्तव में अब तक आरंभ किए गए विभिन्न कार्यकलापों के माध्यम से 1.20 करोड़ से अधिक युवाओं और 31 लाख से अधिक महिलाओं सहित 3.10 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच रहे हैं। नशा मुक्त भारत अभियान के परिणाम अभी तक बहुत उत्साहजनक रहे हैं और यह मंत्रालय वर्ष 2022 के अंत तक 100 जिलों को निर्धारित मापदंडों के भीतर नशा मुक्त घोषित करने के लिए भी सख्ती से काम कर रहा है। इस वर्ष की थीम ''ड्रग्स पर तथ्य साझा करें, जीवन बचाएं'' है। इसका उद्देश्य दवाओं - स्वास्थ्य जोखिम और विश्व दवा समस्या के समाधान से लेकर साक्ष्य आधारित रोकथाम, उपचार और देखभाल तक - पर वास्तविक तथ्यों को साझा करके भ्रामक सूचना का मुकाबला करना है। ''नशा मुक्त भारत अभियान दौड़ – नशीले पदार्थों के विरुद्ध दौड़'' के लिए सामूहिक कार्यक्रम से संबंधित पहल की जा रही है और 1 किलोमीटर, 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर दौड़, जुंबा क्लासेज, एरोबिक्स का आयोजन किया जा रहा है।